P.V.G.'s

Muktangan English School & Jr. College, Pune - 9

Annual Examination (2024-25)

Standard - IX

Subject - Hindi (Composite) | **Marks - 40**
Date - 27/03/2025 | **Time : 8 am to 10 am**

सूचनाएँ:

१) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।
२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।
३) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।
४) शुद्ध, स्पष्ट भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग १ - गद्य (१२ अंक)

कृति १ अ) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

बाउंड्रीवाल में बाधक बन रहा नीम का पेड़ घर में सबको खटक रहा था। आखिर कटवाने का ही फैसला लिया गया। काका साब उदास हो चले। राजेश समझा रहा था, ''कार रखने में दिक्कत आएगी, पेड़ तो कटवाना ही पड़ेगा न!''

काका साब ने हथियार डालने के स्वर में 'ठीक है' कहकर चुप्पी साध ली। हमेशा अपना रोब जताने वाले काका साब की चुप्पी राजेश को कुछ खल रही थी । अपने पिता के चेहरे को देखते-देखते अचानक ही राजेश को उसमें नीम के तने की लकीरें नजर आने लगीं।

''हैप्पी फादर्स डे पापा'' सात साल के प्रतीक की आवाज ने उसके विचारों को विराम दिया।

''पापा, आज फादर्स डे है और मैं आपके लिए ये... गिफ्ट लाया हूँ।'' कहते-कहते प्रतीक ने हाथों में थैली में लाया पौधा आगे कर दिया।

''पापा, इसे वहाँ लगाएँगे जहाँ इसे कोई काटे नहीं।''

''हाँ बेटा, इसे भी लगाएँगे और बाहरवाला नीम भी नहीं कटेगा। गैरेज के लिए कुछ और व्यवस्था देखते हैं।'' फैसले-वाले अंदाज में कहते हुए राजेश ने कनखियों से काका को देखा।

बाहर सर्र... से हवा चली और बूढ़ा नीम मानो नए जोश से झूमकर लहरा उठा।

१) आकृति पूर्ण कीजिए **(१)**

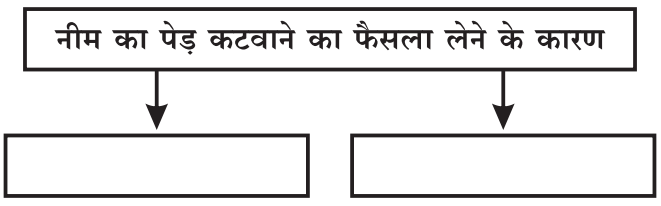

2) निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए। **(१)**

i) घर के चारों और की दीवार = ☐

२) रुकावट करनेवाला = ☐

3) १) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए। **(१)**

i) फैसला = ☐

ii) लकीर = ☐

२) निम्नलिखित विरामचिह्नों के नाम लिखिए। **(१)**

	विरामचिह्न		**नाम**
१)	‘‘ ’’	=	
२)	।	=	

४) ‘नीम का पेड’ इस लघुकथा से मिलनीवाली प्रेरणा अपने शब्दों में ६-८ पंक्तियों में लिखिए। **(२)**

कृति १ आ) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

मेघ – हाँ, तू संसार को दीन करने वाली उच्छृंखलताओं का पक्ष क्यों न लेगा; तू तो उन्हें छिपाता है न!

सागर – मैं दीनों की शरण अवश्य हूँ!

मेघ – सच है अपराधियों के संगी! यही दीनों की सहायता है कि संसार के उत्पातियों और अपराधियों को जगह देना और संसार को सदैव भ्रम में डाले रहना।

सागर – दंड उतना ही होना चाहिए कि दंडित चेत जाए, उसे त्रास हो जाए। अगर वह अपाहिज हो गया तो–

मेघ – हाँ, यह भी कोई नीति है कि आततायी नित्य अपना सिर उठाना चाहे और शास्ता उसी की चिंता में नित्य शस्त्र लिए खड़ा रहे, अपने राज्य की कोई उन्नति न करने पावे।

सागर – भाई अपने क्रोध को शांत करो। क्रोध में बात बिगड़ती है क्योंकि क्रोध हमें विवेकहीन बना देता है।

मेघ – **(थोडा शांत होते हुए)** हाँ, यह बात तो सच है। हम दोनों ने अपने-अपने क्रोध को शांत कर लेना चाहिए।

सागर – तो आओ हम मिलकर जनकल्याण के विषय में थोड़ा विचार विमर्श कर लें।

मेघ – हाँ! मनुष्य हम दोनों पर बहुत निर्भर हैं। प्रतिवर्ष किसान बड़ी आतुरता से मेरी प्रतीक्षा करते हैं।

सागर – मेरे क्षार से मनुष्य को नमक प्राप्त होता है जिससे उसका भोजन स्वादिष्ट बनता है।

मेघ – सागर भाई हमें कभी आपस में उलझना नहीं चाहिए।

सागर – आओ प्रतिज्ञा करते हैं कि हम अब कभी घमंड में एक दूसरे को अपमानित नहीं करेंगे बल्कि मिलकर जनकल्याण के लिए कार्य करेंगे ।

मेघ – मैं नदियों को भर–भर तुम तक भेजूँगा ।

सागर – मैं सहर्ष उन्हें उपकार सहित ग्रहण करूँगा ।।

१) आकृति पूर्ण कीजिए। **(१)**

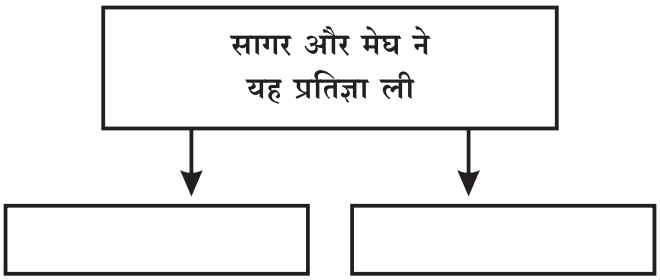

२) १) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए । **(१)**

i) चिंता =

ii) नदी =

२) निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए । **(१)**

i) स्वादिष्ट **X**

ii) शांत **X**

३) गद्यांश में आए दो प्रत्यययुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए।- **(१)**

i)

ii)

३) 'अगर आसमान में बादल न होते तो' इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए। **(२)**

विभाग २ - पद्य (८ अंक)

कृति २ अ) निम्नलिखित पठित गजल पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

वो खुद ही जान जाते हैं बुलंदी आसमानों की
परिंदों को नहीं तालीम दी जाती उड़ानों की

जो दिल में हौसला हो तो कोई मंजिल नहीं मुश्किल
बहुत कमजोर दिल ही बात करते हैं थकानों की

जिन्हें है सिर्फ मरना ही, वो बेशक खुदकुशी कर लें
कमी कोई नहीं वर्ना है जीने के बहानों की

महकना और महकाना है केवल काम खुशबू का
कभी खुशबू नहीं मोहताज होती कद्रदानों की

हमें हर हाल में तूफान से महफूज रखती हैं
छतें मजबूत होती हैं उम्मीदों के मकानों की

१) आकृती पूर्ण कीजीए । **(१)**

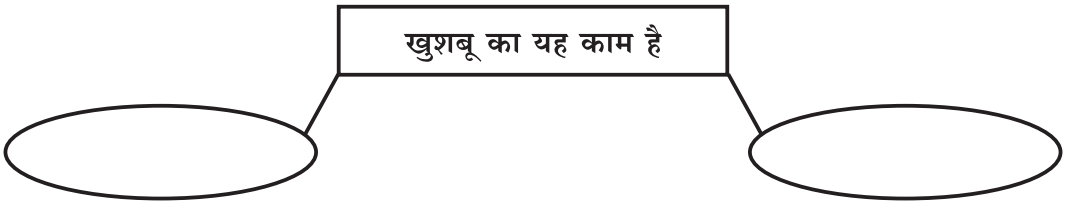

२) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। **(१)**

i) तालीम =

ii) हौसला =

३) 'वो खुद ही ------ थकानों की।' इन पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए । **(२)**

कृति २आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

आसमान में लहराए ये, बादल में लहराए,
जहाँ-जहाँ जाए ये झंडा, ये (बात / संदेश / संवाद) सुनाए।
है आज हिंद, ये दुनिया को आजाद करेगा।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

नहीं चाहते हम दुनिया को, अपना दास बनाना,
नहीं चाहते औरों के मुँह की (बात/रोटी/फटकार) खा जाना।
सत्य-न्याय के लिए हमारा लहू सदा बहेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

हम कितने सुख सपने लेकर, इसको (ठहराते/फहराते/लहराते) हैं ।
इस झंडे पर मर मिटने की, कसम सभी खाते हैं ।
हिंद देश का है ये झंडा, घर-घर में लहरेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।

१) आकृती पूर्ण कीजीए । (१)

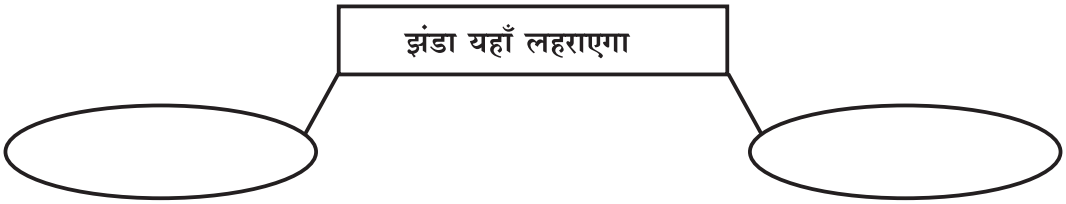

२) परिच्छेद में आए शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए (१)

i)

ii)

३) 'हमारा तिरंगा' इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों मे लिखिए (२)

विभाग ३ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) (८ अंक)

कृति 3) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) मानक वर्तनी के अनुसार उचित शब्द चुनकर लिखिए। **(१)**

i) अनुभूति / अनुभुति / अनुभूती = ☐

ii) इंजीनियर / इंजिनियर / इंजीनीयर = ☐

२) निम्नलिखित अव्यय शब्द का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए। (१)

i) की और =

३) i) निम्नलिखित वाक्य में काल पहचानकर उसका भेद लिखिए। (१)

i) बहस चल रही थी ।

३) ii) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (१)

i) विश्वकर्मा सर रोज सुबह-शाम बरतन माँजते हुए दिखाई देते । (सामान्य भविष्यकाल)

४) कृति पूर्ण कीजिए। (१)

संधि शब्द	संधिविच्छेद	भेद
हिमालय	—— + ——	

५) i) रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए। (१)

i) राकेश गरीब है, मगर बईमान नहीं है ।

५) ii) अर्थ के आधार पर सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए। (१)

i) राम प्रतिदिन अध्ययन करता है। (आज्ञार्थक वाक्य)

६) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए। (१)

पेश करना

विभाग ४ - रचना (उपयोजित लेखन) (१२ अंक)

कृति ४ अ) १) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए **(४)**

किशोर / किशोरी कुलकर्णी, सहकारनगर -२, पुणे से, व्यवस्थापक, शक्ति स्पोर्ट्स, पुणे को हॉकी खेल की सामग्री मँगाते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

(खेल सामग्री - हॉकी स्टीकस, गेंद, ग्लव्स, शोल्ड़र, हेल्मेट, नेट, शील्ड)

अथवा

राम / रमा जोशी, नेहरू नगर, नागपूर - 440001 से अपने मित्र / सहेली, सागर / सरिता शर्मा, 103, तुलसीबाग, पुणे 411002 को 'समय का सदुपयोग' का महत्त्व समझाते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

अ) २) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए। (६० से ७० शब्दों में) **(४)**

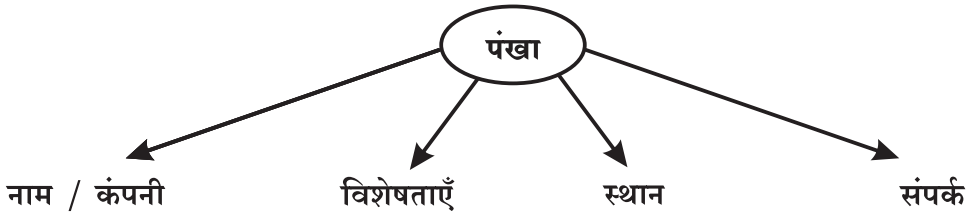

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर उस पर ऐसे ४ प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हो ।

(केवल प्रश्न ही बनाए)

खेल जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है । दिन - भर पढ़ने से ही पाठ याद नहीं होता । पढ़ने के लिए स्वस्थ मस्तिष्क की जरूरत है। जब हम ताजे और स्वस्थ मस्तिष्क से पढ़ते हैं तब पाठ बहुत जल्द याद हो जाता है । खेल से मस्तिष्क स्वस्थ और ताजा होता है। दिन-भर में घण्टे - दो - घण्टे खेलना बड़ा जरूरी है । किंतु, दिन - भर खेलते रहना बहुत बड़ी भूल है । भोजन बड़ी अच्छी चीज़ है, पर हम दिन भर भोजन नहीं करते है । इसी तरह खेल के विषय में भी समझना चाहिए । खेल दो प्रकार के होते हैं । एक दिमागी खेल और दूसरा शारीरिक खेल । शारीरिक खेल कबड्डी, फुटबॉल और क्रिकेट इत्यादि है तथा ताश, शतरंज इत्यादि दिमागी खेल है। हमारे लिए ये दोनों आवश्यक है। बचपन में शारीरिक खेलों की अधिक आवश्यकता रहती है। खेल खेलने से मन प्रसन्न रहता है, शरीर सुंदर बनता है, ताज़गी मिलती है और काम करने में मन लगता है।

आ) निम्नलिखित <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग ७० से ८० शब्दों में निबंध लिखिए। **(४)**

१) पेड़ की आत्मकथा

२) भारतीय किसान

३) मेरे प्रिय शिक्षक

■ ■ ■